MARJ-06

June - Examination 2019

M.A.(Final) Rajasthani Examination

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Paper - MARJ-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ पेपर 'अ', 'ब' अर 'स' तीन खण्डा में बट्योडो है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल है। खण्ड 'ब' छोटा सवाल अर खण्ड 'स में निबन्धात्मक सवाल दियोड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सगळां सवाल करणा जरूरी है। आपरौ पडूतर अेक सबद, अंक वाक्य या अधिकतम 30 सबदां में नीं हुवणो चाहिजै।

1) (i) ''लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया'' पोथी रा रचनाकार रौ नाम बतावो।

(ii) 'विगत' कांई होवै है?

(iii) 'पाबूजी री बात' किण भांत री कथा है?

(iv) 'मुरारीदान री ख्यात' रौ दूजो नाम कांई हो?

(v) 'षड़ावश्यक बालावबोध' रौ रचनाकार रौ नाम दरसावो।

(vi) 'कुंवरसी सांखलो' रचना रा सम्पादक कुण हा।

(vii) 'पृथ्वीचन्द्र चरित्र' रचना रौ दूजो नाम कांई हो?

(viii) 'खांडोबही' सूं आप कांई समझौ।

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं किणी चार सवालां रौ पडूतर 200 सबदां में लिखो।

2) राजस्थानी भाषा री उत्पत्ति अर विकास ने समझावो।

3) बालावबोध अर टव्बा साहित्य मांय कांई अंतर है।

4) बात साहित्य परम्परा री विरोळ करो।

5) 'बांकीदास री ख्यात' पर टिप्पणी लिखो।

6) 'कुंवरसी सांखलो' रचना री नायिका भरमल री चारित्रिक विसेसतावां री ओळखांण करावो।

7) 'राजान राउत रो वात वणाव' री कथावस्तु नै आपरे सबदां में उकैरो।

8) 'अचलदास खीची री वचनिका' रो कला पख नै उजागर करो।

9) 'गुरुंसा नारायणदास री बही' रो महत्व दरसावो।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं किणी दोय सवालां रौ पडूतर 500 सबदां में दिरावो।

10) प्राचीन राजस्थानी गद्य साहित्य री विरोळ करो।

11) 'मुंहता नैणसी री ख्यात' रौ महत्व आपरे सबदां में मांडो।

12) 'पृथ्वीचन्द्रचरित्र मांय चित्रित रितु बरणाव री छट्टा नै उदाहरण समेत समझावो।

13) राजस्थानी बही साहित्य रे बरगीकरण नै समझावो।